दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 117
मुरादाबाद
19 August 2025
(Tuesday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को किया फोन, अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बैठक पर चर्चा

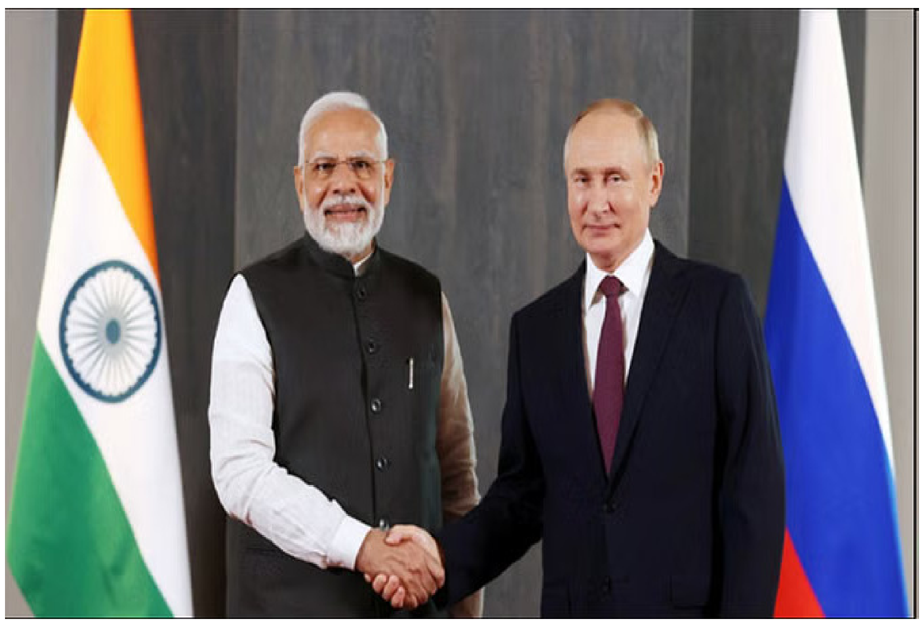

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक की थी। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध विराम को लेकर चर्चा की गई। हालांकि, बैठक में युद्ध विराम लागू करने पर सहमति नहीं बनी। अब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को फोन करके बैठक के बारे में जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया। फोन कॉल पर पुतिन ने पीएम मोदी को अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में पुतिन के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन को उनके फोन कॉल और अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। भारत ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आह्वान किया है। इस संबंध में सभी प्रयासों का भारत समर्थन करता है। मैं आने वाले दिनों में हमारे निरंतर आदान-प्रदान की आशा करता हूं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक की थी। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध विराम को लेकर चर्चा की गई। हालांकि, इसमें रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति नहीं बनी। यह बैठक ऐसे वक्त में हुई थी जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और अमेरिका के कदम को अन्यायपूर्ण और बेतुका करार दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। अब रूसी राष्ट्रपति और पीएम मोदी के बीच बातचीत से साफ है कि अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ रूस भारत के साथ खड़ा है। पुतिन-ट्रंप की बैठक बेनतीजा रहने का भारत पर असर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर कह चुके हैं कि उनकी तरफ से भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ का असर देखने को मिला है और पुतिन इसी वजह से उनके साथ बैठक के लिए तैयार हुए हैं। ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट न्यूज इंटरव्यू में चेतावनी दे चुके हैं कि अगर पुतिन और ट्रंप की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलता है तो भारत को ज्यादा टैरिफ के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसे में अलास्का बैठक के बाद भारत का अपने सबसे बड़े निर्यात केंद्र (अमेरिका) से आगे भी व्यापार में संघर्ष जारी रह सकता है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर मुझे भारत पर और टैरिफ लगाने पड़े तो मैं जरूर करूंगा, लेकिन हो सकता है कि मुझे ऐसा करने की जरूरत न पड़े।%

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय धाविका को लगा झटका: नीरू ने दौड़ में जीता स्वर्ण पदक, फिर भी नहीं बन पाई यूपी टीम का हिस्सा

नियमानुसार स्वर्ण पदक जीतने वाले का नाम प्रदेश की टीम में होता है। इतना ही नहीं अलीगढ़ के संदीप चौधरी का नाम भी यूपी टीम में नहीं है। उन्होंने भी 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। अलीगढ़ से हैमर थ्रो में श्रुति का नाम यूपी टीम में है लेकिन वह अलीगढ़ की नहीं हैं।यूपी स्टेट चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय धाविका नीरू पाठक राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए यूपी टीम का हिस्सा नहीं बन पाईं। उन्हें बड़ा ही अरमान था कि वह अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश के लिए न सिर्फ दौड़ेंगी, बल्कि स्वर्ण पदक भी जीतेंगी। इसके लिए उन्होंने दिल्ली छोड़ दिया था।छह साल पहले नीरू पाठक अलीगढ़ छोड़कर दिल्ली अभ्यास करने चली गई थीं और दिल्ली की ओर से दौड़ने लगीं। एएफआई से एनओसी मिलने के बाद 29 व 30 जुलाई को यूपी स्टेट चैंपियनशिप, लखनऊ में नीरू ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्हें पूरी उम्मीद थी कि वह 20 से 23 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली 64वीं सीनियर इंटर स्टेट राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। लेकिन जब यूपी की टीम बनी तो उसमें उनका नाम नहीं था। टीम में न चुने जाने पर नीरू को झटका लगा है।नियमानुसार स्वर्ण पदक जीतने वाले का नाम प्रदेश की टीम में होता है। इतना ही नहीं अलीगढ़ के संदीप चौधरी का नाम भी यूपी टीम में नहीं है।

संगीत सोम ने अफसरों को जमीन पर बैठाया, बोले- सपा-बसपा नहीं, योगी की सरकार है, इलाज कर देंगे

फौजी को पीटने पर बखेड़ा- मेरठ के गोटका गांव निवासी सेना के जवान कपिल की पिटाई के मामले में सोमवार को ठाकुर संगीत सोम भूनि टोल प्लाजा पर पहुंचे। अधिकारियों को जमीन पर बैठाकर खूब खरीखोटी सुनाई।गोटका निवासी सेना के जवान कपिल को पीटने के मामले में सोमवार को सरधना के पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम टोल प्लाजा पर पहुंचे। संगीत सोम ने कहा कि भाजपा सरकार में गुंडई नहीं चलेगी। अधिकारियों से कहा कि मेरठ डिस्ट्रिक्ट भगवान भरोसे चल रहा है, गुंडई चरम पर है, चद्दर तान कर मत सो।ग्रामीणों के बीच सड़क पर ही बैठकर संगीत सोम ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा, तो यहीं पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। उन्होंने एसपी देहात राकेश मिश्रा, एडीएम प्रशासन सत्य प्रकाश, एसडीएम उदित नारायण सेंगर समेत अन्य अधिकारियों को भी सड़क पर ही बैठा लिया और चेतावनी दी कि किसी की हैसियत नहीं, जो उन्हें धरने से उठा दे। इसीलिए तत्काल आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सेना के जवान का अपमान बर्दाश्त नहीं संगीत सोम ने कहा कि यह सपा या बसपा की सरकार नहीं है। ये योगी जी की सरकार का है, दो मिनट में ऐसे लोगों को इलाज कर दिया जाएगा। सेना के जवान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गुंडई नहीं चलने दी जाएगी। भूनी टोल प्लाज़ा पर ग्रामीणों के साथ घटना पर बैठे पूर्व विधायक संगीत सोम ने एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा को जमकर लताड़ लगाई और पुलिसिंग का तरीका सिखाया। उन्होंने कहा की वह यहां धरने पर नहीं आए हैं, अगर धरने पर बैठ गए तो एक लाख लोग उनके साथ बैठ जाएंगे। उधर एसपी देहात ने ग्रामीणों को समझाने को कहा तो संगीत सोम ने कहा कि आज मैं नहीं मनाऊंगा एसपी साहब, आज तुम मनाओ।

सीएम योगी ने कहा- मोबाइल कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी रसोई गैस, घर-घर पहुंचाया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम छह हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। रिन्यूवल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। यूपी में प्रचुर जल संसाधन होने के चलते इसके विकास की व्यापक संभावना है।

अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी है लेकिन आने वाले समय में यह मोबाइल फोन कॉल जितनी सस्ती हो जाएगी।सीएम योगी रविवार को दोपहर बाद खजनी रोड पर खानीपुर गांव में टोरेंट कंपनी की तरफ से बनाए गए प्रदेश के पहले और देश के दूसरे हाइड्रोजन पॉवर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।अब तक इस क्षेत्र में हम छह हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। रिन्यूवल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है। हाइड्रोजन प्लांट इस कमी को दूर करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। इसमें यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा। टोरेंट ग्रुप के इस प्लांट में ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर-घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जाएगा।

सीएम ममता का बड़ा एलान, रोजगार मिलने तक प्रवासी श्रमिकों को 5000 प्रति माह देगी सरकार

कई राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों को निशाना बनाए जाने सीएम ममता बनर्जी केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर हैं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों पर हमला पूर्व नियोजित है। भाजपा शासित राज्यों में लगभग 22 लाख प्रवासी श्रमिक और उनके परिवार परेशान हैं।प्रवासी श्रमिकों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा तोहफा दिया है। सीएम ने प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास के लिए योजना शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि नई योजना के तहत प्रवासी श्रमिकों को एक वर्ष तक या जब तक उन्हें रोजगार नहीं मिल जाता, तब तक हर महीने पांच हजार रुपये दिए जाएंगे।कई राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों को निशाना बनाए जाने सीएम ममता बनर्जी केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर हैं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों पर हमला पूर्व नियोजित है। भाजपा शासित राज्यों में लगभग 22 लाख प्रवासी श्रमिक और उनके परिवार परेशान हैं। मंत्रिमंडल ने वापस लौटने और अपना जीवन नए सिरे से शुरू करने के इच्छुक प्रवासी श्रमिकों के पुनर्वास में मदद के लिए इस योजना को मंजूरी दे दी है। इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया था कि बंगाली बोलने वाले भारतीयों को बांग्लादेशी कहकर जबरन बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल के प्रवासी मजदूरों को दूसरी जगहों पर सिर्फ उनकी भाषा की वजह से परेशान किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि जब वह इसका विरोध करती हैं, तो कुछ लोग उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने की मांग करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग का गलत इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) लाने की कोशिश की जा रही है, जिसे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के नाम पर लागू किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ बंगाली भाषी मजदूरों को यह कहकर बांग्लादेश भेजा जा रहा है

पंडित नेहरू ने निजी महत्वाकांक्षा के आगे राष्ट्रीय हित की तिलांजलि दी; BJP के गंभीर आरोप

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए सिंधु जल संधि 1960 को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी भूल करार दिया है। उन्होंने ये भी कहा कि पंडित नेहरू ने निजी महत्वाकांक्षा के आगे राष्ट्रीय हित की तिलांजलि दे दी थी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के सीरीज में लिखा- 1960 की सिंधु जल संधि, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी भूलों में से एक थी, जिसमें राष्ट्रीय हितों को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की बलिवेदी पर रखा गया था। देश को यह जानना चाहिए कि जब पूर्व पंडित नेहरू ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, तो उन्होंने एकतरफा तौर पर सिंधु बेसिन का 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को सौंप दिया था, जिससे भारत के पास केवल 20 प्रतिशत हिस्सा रह गया था। यह एक ऐसा निर्णय था जिसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों को हमेशा के लिए खतरे में डाल दिया।संसद से राय नहीं ली गई- नड्डा जेपी नड्डा ने आगे लिखा- सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि यह संधि सितंबर 1960 में हस्ताक्षरित हुई, लेकिन संसद में इसे दो महीने बाद नवंबर में रखा गया। चर्चा भी केवल प्रतीकात्मक रही- सिर्फ 2 घंटे। संसद की अनदेखी ने पूरे राष्ट्र को आहत किया।कांग्रेस के नेताओं ने भी जताया विरोध जेपी नड्डा के अनुसार, नेहरू के इस फैसले का विरोध उनकी अपनी पार्टी के सांसदों ने किया। अशोक मेहता ने इस संधि को दूसरा विभाजन बताया था। वहीं ए.सी. गुहा ने पाकिस्तान को 83 करोड़ रुपये स्टर्लिंग देने की आलोचना करते हुए इसे मूर्खता की पराकाष्ठा करार दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि संसद को दरकिनार करना तानाशाही सरकार का रवैया है। अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदृष्टि भाजपा अध्यक्ष ने आगे पोस्ट में बताया कि उस समय युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी ने नेहरू के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों को मान लेना दोस्ती की गारंटी नहीं हो सकता। उन्होंने साफ कहा कि सच्ची दोस्ती अन्याय पर नहीं टिक सकती। यदि पाकिस्तान की मांगों को ठुकराने से रिश्ते बिगड़ते हैं, तो ऐसा होना ही बेहतर है। कमजोर और जनभावना से बिल्कुल अलग थे नेहरू के तर्क जेपी नड्डा ने आगे लिखा- संसद में जब नेहरू ने संधि का बचाव किया तो उनके तर्क कमजोर और जनभावना से बिल्कुल अलग थे। उन्होंने राष्ट्रीय पीड़ा को हल्के में लेते हुए कहा- विभाजन किस चीज का? एक बाल्टी पानी का? उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संसद की राय लेना आवश्यक नहीं समझा गया। यही नहीं, उन्होंने विरोध करने वाले सांसदों की चिंताओं को संकुचित दृष्टिकोण कहकर खारिज कर दिया था। जेपी नड्डा ने आखिरी में लिखा- आज भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता के कारण उस ऐतिहासिक भूल का बोझ कम कर पाया है। मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि को अस्थायी तौर पर रोककर कांग्रेस के उस गंभीर ऐतिहासिक अपराध को सुधारने की कोशिश की है।

संपादकीय Editorial

Vision in educational institutions

There are signs of education on every sky, whoever searched for it, found it there. It is a matter of happiness that the state government is concerned about the decreasing number of students in education and the stifled voice of educational institutions. If we want a new era Himachal, then we need new paths and new intentions. If the meeting in Shimla, which was reawakening education, dreamed that some special colleges are needed in future, then this caravan should gain momentum. Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu has expressed his desire to complete the outline of special colleges based on science, arts and sports. There is no dearth of government buildings in Himachal, only the introduction of quality in them is pending. Not only colleges but medical and other institutions should also be established and evaluated in terms of quality. The directorate of the fisheries department is located in Bilaspur, so was there ever a survey conducted on the demand for fish in Himachal departmentally? Did the department establish any alternative for supply during the prohibited months of fishing? In such a situation, we believe and we have been saying in these columns that the Nagarota Suriya College established on the banks of the Pong Dam should be made the State College of Fisheries Study. Not only this, if this college is provided with every facility and faculty in the form of a migratory bird study centre and a water sports centre, then the tourism economy related to the Pong Dam will also develop. The government built a paragliding school in Beed-Billing, but it would have been better if it was developed as the sports wing of the college in Baijnath or Jogindernagar. The two sports hostels of the Sports Authority of India in Dharamshala and Bilaspur became the source of their achievements, so to keep this feeling alive along with education, by establishing sports wings in the government schools and colleges here, titles of players can be ensured under a special curriculum. We believe and it is the need of the hour that the state should change the entire system to infuse new energy and quality under its existing structure. For example, instead of engaging the college of Hamirpur in various subjects of postgraduate studies, if State College of Defence Studies is made and an academy for admission in Defence Services is also started, then education from here will be related to admission in military, paramilitary and police services. If Amtar Cricket Stadium of Naidun is linked with the status of National College of Cricket, then the talent of nation will start growing on the soil of Himachal. We should establish an Art and Architectural Institute focusing on mountain arts, heritage and Vastu Shastra while preserving the one thousand year history of Chamba. On the same lines, while giving the status of State College to ten-twelve colleges of the state, their campuses should be given the vision of not only degree, postgraduate but also research. Actually, there is a need to make educational institutions institutions of vision. Similarly, regional and zonal hospitals should be equipped with modern medicine as well as other methods and state level status should be given for some specific disease. For example, if the hospital in Una is given the status of a state-level orthopedic hospital and research institute, then imagine what the standards of Himachali medicine would be there. People in the state would prefer to go to such special hospitals in Himachal for special diseases instead of neighboring states, depending on their quality. Anyway, at a point where education is choosing specialized colleges, some discussion should also be done on the existence of a central university. By giving energy to Dehra in this fierce dissection of the university, the governments are hitting the possibility that can connect.

It is necessary to defy Trump's threat, America is upset with India's advantage

America calls India a strategic partner in the Indo-Pacific region and sees it as a counter to China. Does anyone threaten its strategic partner with tariffs and publicly rant about its energy policy? Such aggressive steps hurt the trust built over decades in defense technology and economic cooperation. Since the Ukraine war, India has been buying Russian crude oil at concessional rates. This has given India a big economic boost. India is buying 17 to 19 lakh barrels of oil from Russia every day at a much lower price than the Brent crude at which it has been buying oil internationally. This has helped India to keep domestic fuel prices under control, rein in inflation and increase fiscal space for development. This is not an opportunistic policy, but a well-planned step to ensure national energy security in the unstable global market. America is upset with the benefit India is getting. Due to this, the US President has also announced to impose an additional 25 percent tariff penalty on India. This is in addition to the 25 percent tariff. Trump's argument behind imposing penalty on India seems redundant, because he imposes high tariffs and penalties on India for buying Russian oil, but ignores China, which buys the most oil from Moscow. The way India is being targeted in this matter, it is not just a commercial dispute but also challenges our sovereign policy making. US President Trump is pressuring India not to buy oil from Russia when he claims that his talks with Russia are going in the right direction. After India was targeted by him, there has been a stir in oil prices and US markets. In such circumstances, politicization of India's decision to buy oil can hurt the broader energy stability scenario. Anyway, this attitude is being adopted as per convenience. The European Union traded $ 67.5 billion with Russia in 2024. Whereas in 2024 itself, Europe imported a record amount of 16.5 million tonnes of LNG from Russia. This is strengthening the belief in New Delhi that India is being harassed for political reasons, while the US has given exemption to Western allies. If seen, by buying Russian oil, India has not only benefited its economy, but has also helped in controlling global inflationary pressure. India is consuming a large part of Russian oil exports. If India did not do this, then due to increased logistics and other costs, oil prices in the international market could have increased drastically. The world is already troubled by inflation at the level of energy, food and transportation, then in the absence of Russian imports by India, this problem was bound to increase further. The global situation would have gone from bad to worse. On the domestic front too, reducing Russian imports would mean increasing expensive West Asian supplies, bearing high transportation costs and making necessary changes in refineries to refine this new consignment. This will either result in higher fuel prices for consumers or the government will have to increase oil subsidies, which will reduce its fiscal space to spend on infrastructure and welfare schemes. The political aspects of this issue are equally important. The US calls India a strategic partner in the Indo-Pacific region and sees it as a counter to China. Does anyone threaten to impose and increase tariffs on a strategic partner and publicly rant about its energy policy? Such aggressive moves hurt decades of trust in defence, technology and economic cooperation. This will also make India more cautious about future activism with Washington, which will dampen the momentum in bilateral relations. History is witness to the fact that India has always protected its foreign policy autonomy. India did not bow down even during the period of pressure from superpowers. This independent attitude of India in foreign policy was also underlined in the Ukraine war, when India remained firm on its stand despite provocations by Western countries. Recently, Prime Minister Modi also mentioned that in this period of global instability, every country is giving priority to its interests. The Indian Foreign Ministry also clarified that imports from Russia increased in the circumstances arising out of traditional Gulf suppliers turning to Europe and how the US and other Western countries are showing double standards in this matter by purchasing energy from Russia themselves. If India and China stop importing Russian oil in the current circumstances, then the prices of crude oil can suddenly increase by up to $ 20 per barrel. The whole world will be forced to face a period of high prices for a long time along with a stagnation in supply. Cheap Russian oil not only has commercial benefits, but it is also a strong pillar of India's macroeconomic stability, which is also providing balance to the global market. Moving away from it under any kind of political pressure will harm both economic strength and strategic autonomy. When the global energy scenario is facing instability and uncertainty and OPEC Plus countries are indicating possible adjustments in supply and the markets are being affected by diplomatic developments, then India is facing a lot of problems. India should maintain its economic and strategic flexibility at all costs. Energy security is an essential element of national security and any compromise on it under pressure will weaken India's ability to deal with any future crisis. An independent approach in energy policy will not only provide a protective shield to domestic stability but will also be conducive to the long-term health of US-India relations. Aditya Sinha. Since the Ukraine war, India has been buying Russian crude oil at concessional rates. This has given India a big economic boost. India is buying 17 to 19 lakh barrels of oil from Russia every day at a much lower price than the Brent crude at which it has been buying oil internationally. This has helped India to keep domestic fuel prices under control, curb inflation and increase fiscal space for development. This is not an opportunistic policy, but a well-planned step to ensure national energy security in the unstable global market. This benefit that India is getting is troubling America. Due to this, the US President has also announced to impose an additional 25 percent tariff penalty on India. This is in addition to the 25 percent tariff. Trump's reasoning behind imposing penalties on India seems redundant, because he imposes high tariffs and penalties on India for buying Russian oil, but ignores China, which buys the largest amount of oil from Moscow. The way India is being targeted in this matter, it is not just a commercial dispute but also a challenge to our sovereign policy making.

Now our goal should be economic independence, India's progress is growing rapidly

It is our responsibility to gradually expand the freedom that our freedom fighters gave us and achieve economic and technological independence with the same determination. This is the essence of digital Swadeshi, this is the path to developed India and this will be the legacy that we will hand over to the coming generations. India has seen many ups and downs in the journey of 78 years of independence. This journey has not only been of political independence but also of self-respect, self-confidence and self-reliance. Now when we are dreaming of becoming a developed India in 2047, then it is important to understand that only the resolve of 'Nation First' will take us to that golden goal. The coming 21 years are giving us an opportunity to become an economic and technological superpower. India's scientists, engineers and technical experts have proved their talent on the global stage for decades. Even today success stories are being written. The success of Chandrayaan-3 and Mangalyaan in space, unprecedented expansion of digital payment system and world leadership in vaccine manufacturing are proof of our capabilities. Today, the battle for supremacy in the world is not taking place on the battlefield, but on the front of economy, technology and innovation. Countries that have control over data, digital networks and advanced technology will decide the global order of tomorrow. Artificial Intelligence (AI) is the central pillar of this new equation. It is bringing changes in every sector - health, education, agriculture, transport and defence. AI is not just technology, but the basis of economic empowerment and strategic capability. According to NASSCOM, by 2025, AI and data can contribute about $500 billion to India's GDP. The World Economic Forum estimates that by 2030, AI can create about three crore new jobs. India cannot afford to lag behind in this field. It is necessary to assess various AI-based technical applications in every field and increase our capabilities and productivity from it. With the help of AI, we can increase productivity and employment in these areas by predicting production in agriculture, quick diagnosis in health, personal guidance in education, and making accurate plans in disaster management. Just consuming technology will not be enough. We will also have to develop AI algorithms, language models and hardware solutions ourselves. This is also very important for strengthening our digital Swadeshi movement. Today, the scope of Swadeshi is not limited to clothing or agriculture. In the digital age, it means self-reliance on data, software and hardware. According to the government, India's digital economy was 11.7 percent of the national income in the financial year 2022-23 and it can reach 20 percent by 2030. It can become a bigger power than agriculture and manufacturing, provided we keep the technological leadership in our hands. Along with AI, biotechnology, green energy, India is now also entering cutting-edge areas like quantum computing. India has launched the 'National Quantum Mission', which aims to achieve global leadership in quantum technology by 2031. Research and startups going on in this direction can open new doors of digital and national security, innovation and industrial self-reliance in the coming years. Today's global scenario also indicates us to move forward rapidly in this direction. It has now become a global imperative to deal with the energy crisis, environmental challenges, economic instability and security threats. In these complex circumstances, self-reliance is not just an economic policy, but also the basis of national security and stability. India can present a sustainable and inclusive development model based on its ancient civilization, democratic values and cultural diversity. India today has the largest young workforce in the world. We have such a large number of people of working age that if they get the right direction, education and opportunity, they can give unprecedented speed to the country's economic progress. India leads the world in the number of students and professionals learning AI on the Internet. That is, interest and enthusiasm are present in abundance, but despite the number of learners, there is still a gap in the level of skills and efficiency. This means that there is a need to further improve the ability to understand deeply and practically implement what is being learned. If we succeed in filling this gap, then this youth power can create technological solutions not only for India but the entire world. India's goal should not be to simply import or consume technological products and services, but to establish itself as a technological manufacturer, innovator and global leader. This is possible only when we all adopt technical education, research, innovation and entrepreneurship as a national priority. For this, educational institutions and research centers will have to be provided such an environment and resources where they get full opportunity to experiment, innovate and develop next generation technologies. The government, industry and academia should together create an environment that is conducive to technical skill development, startup support and employment generation.

मुरादाबाद में रामपुर और उत्तराखंड के अंडों पर रोक, बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन ने लगाया प्रतिबंध

बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद मुरादाबाद प्रशासन ने उत्तराखंड व रामपुर से आने वाले चिकन और अंडों पर प्रतिबंध लगा दिया है। छजलैट व पाकबड़ा से 35 सैंपल जांच को भेजे गए हैं। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने भी निगरानी बढ़ा दी है। रामपुर में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने उत्तराखंड और रामपुर से शहर आने वाले चिकन व अंडे को प्रतिबंधित कर दिया है। जब तक इन क्षेत्रों की बर्ड फ्लू की रिपोर्ट निगेटिव नहीं आती है तब तक प्रतिबंध जारी रहेगा। रामपुर जिले के बिलासपुर में मुर्गों में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद अन्य जिलों में दहशत फैल गई है।डीएम अनुज सिंह के निर्देश पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने छजलैट ब्लॉक के पांच पोल्ट्री फार्मों के मुर्गों और मुर्गियों की जांच की लेकिन कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इसके बाद छजलैट और पाकबड़ा के पोल्ट्री फार्मों से 35 सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए।जिले में 26 पोल्ट्री फार्म हैं। सतर्कता बरतने के लिए पशु चिकित्साधिकारियों ने पोल्ट्री फार्म संचालकों से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने की सलाह दी है। इस मामले में डीएम ने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रामपुर से आने जाने वाले चिकन और अंडे पर रोक लगाने का निर्णय लिया। साथ ही रिपोर्ट शासन को भेज दी। शासन ने उत्तराखंड और रामपुर से आने वाले चिकन को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। जिले के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुनील दत्त प्रजापति ने पुष्टि की कि उत्तराखंड और रामपुर की तरफ से अंडे लाने और भेजने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है क्योंकि मुरादाबाद अभी तक की जांच में सुरक्षित है। वैसे बर्ड फ्लू वाले क्षेत्र की निगेटिव रिपोर्ट आने में कम से कम तीन माह लग जाएंगे। यह प्रतिबंध कई माह तक जारी रहेगा। उत्तराखंड और रामपुर से काफी मात्रा में चिकन और अंडे आते हैं।

डूबने से सिपाही समेत नौ की जा चुकी है जान, रामगंगा और गागन नदी का जलस्तर घटा..

मुरादाबाद जिले में रामगंगा, गागन समेत नदियां में पानी उफान पर हैं। इससे कई इलाकों में लगातार कटाव हो रहा है। शहर और गांवों में कई जगहों पर रास्ते टूट गए हैं। जिले में 15 दिन के भीतर सिपाही समेत नौ लोगों की बाढ़ के पानी में डूबकर मौत हो चुकी है।रामगंगा नदी में आई बाढ़ से वीकनपुर पुल के दोनों तरफ के एप्रोच रोड कटने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। गांव की ओर नदी का बहाव तेज होने से लोग खौफ में हैं। गांव के लोगों का कहना है कि रामगंगा नदी का पानी गांव से करीब 100 मीटर दूर है। गांव के अरविंद, चन्द्रप्रकाश, सुनील, सुमित, अशोक, कमल और दौलत का कहना है कि खलील के चार बीघे टीलेनुआ खेत में आम का बाग है। नदी की धार वहां बह रही है। नदी करीब पौने तीन बीघा खेत काट चुकी है। यदि बचा हिस्सा कट गया तो पानी गांव में घुस जाएगा। गांव में कटान होने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को स्थिति से अवगत करा दिया है लेकिन किसी अधिकारी ने सुध नहीं ली है। रामगंगा विहार और भोलानाथ कॉलोनी में जलभराव मुरादाबाद में महज दस मिनट की बारिश में ही शहर के कई मोहल्ले जलमग्न हो गए। जल निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने से सड़कों पर पानी भर गया और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। रामगंगा विहार, बुद्धि विहार, लाइनपार, प्रभात मार्केट, लाजपतनगर, करुला और भोलानाथ कॉलोनी समेत कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बनी रही। रविवार की दोपहर हुई बारिश के बाद शहर के करीब दो दर्जन से अधिक मोहल्लों में सड़कों पर पानी भर गया। कोर्ट रोड स्थित पशुओं के अस्पताल के पास सड़क तालाब में तब्दील नजर आई। रामगंगा विहार के कई क्षेत्र में लोगों के घरों और दुकानों के अंदर पानी घुस गया। परेशान लोग व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करते नजर आए।लाजपतनगर के कुणाल ठाकुर, सतीष गोयल, अनुज आर्य आदि ने कहा कि नाले की साफ-सफाई ठीक तरीके से हुई होती तो कुछ ही देर की बारिश में सड़कों पर पानी नहीं भरता। सबसे ज्यादा समस्या भोलानाथ कॉलोनी में रही। जहां भीषण जलभराव हुआ और लोग घरों में कैद हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार जलभराव कम हुआ तो लोगों ने साफ-सफाई खुद ही कराई थी लेकिन अब फिर से बारिश का पानी भर गया है तो सांप व कीड़े-मकोड़े आने का खतरा फिर से बढ़ गया है।यहां के रहने वाले प्रवीण निगम ने कहा कि निगम ने अवैध कॉलोनी बताकर अपनी जिम्मेदारी से हाथ खड़े कर लिए हैं। लेकिन यह समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। बारिश का पानी रामगंगा विहार में स्थित वीआईपी कॉलोनी में भी सड़कों पर भर गया। यहां विभिन्न विभागों के अधिकारियों का घर है। यहां कॉलोनी में जाने वाली सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया। लाइनपार के मंडी, विकास नगर, ढक्का की पुलिया, कुंदनपुर जैसे इलाकों में जलभराव से लोग परेशान रहे।सिपाही समेत नौ लोगों की जा चुकी है जान मुरादाबाद जिले में रामगंगा, गागन समेत अन्य नदियां उफान पर हैं। पिछले 15 दिन में जिले में सिपाही मोनू कुमार समेत नौ लोगों की पानी में डूबकर मौत हो चुकी है। पिछले दो दिन में मझोला क्षेत्र में दो किशोर भी जान गंवा चुके हैं। गाजियाबाद जिले के लोनी थानाक्षेत्र के बेहटा हाजीपुर निवासी मोनू कुमार (29) 11 अगस्त की रात वह साथी सिपाही अमरपाल के साथ गश्त कर रहे थे। रामगंगा नदी के पानी से बने तेलीघाट में मछुआरे जाल लगाकर मछली पकड़ रहे हैं। दोनों सिपाही मौके पर पहुंच गए थे। जाल हटाने समय सिपाही मोनू कुमार का पैर फिसल गया और वह पानी में बह गए थे। एक सप्ताह पहले कटघर के लोधीपुर बासु निवासी महिला रामवती घास काटते समय पैर फिसलने से रामगंगा नदी में गिर गई थी।

नवजात की मौत.. पुलिस ने दर्ज किया केस, हेल्थ केयर सेंटर संचालिका सलमा नासिर गिरफ्तार

मुरादाबाद में नवजात की मौत मामले में हेल्थ केयर सेंटर की संचालिका सलमा नासिर को गिरफ्तार कर लिया गया है। कटघर थाना क्षेत्र के करूला में सलमा नासिर के हेल्थ केयर पर सीएमओ की टीम तीन बार सील लगा चुकी थी। इसके बाद भी यह अपंजीकृत नर्सिंग होम चलता मिला।मझोला पुलिस ने जयंतीपुर निवासी हेल्थ केयर सेंटर की संचालिका सलमा नासिर को गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि संचालिका की वजह से एक बच्चे की मौत हो गई। मझोला पुलिस ने 25 अप्रैल को कोर्ट के आदेश पर अर्चना सिंह, हेल्थ केयर सेंटर की सलमा नासिर, मेडविन मल्टीस्पेशियलिटी के डॉ. पवन सैनी और डॉ. इकराम के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया था।इस मामले में कटघर थाना क्षेत्र के मछरिया निवासी शिवकुमार ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर बताया था कि उसकी पत्नी सोनी ठाकुर गर्भवती थी। उसकी मुलाकात गांव की ही अर्चना सिंह से हो गई थी जो मझोला में एफसीआई गोदाम के पास रहती है।अर्चना सिंह ने सोनी ठाकुर की नार्मल डिलीवरी कराने का भरोसा दिया। वह जयंतीपुर स्थित सलमा नासिर के हेल्थ केयर सेंटर में उसे लेकर गई थी। 17 नवंबर 2024 को प्रसव पीड़ा होने पर शिवकुमार ने अपनी पत्नी को सलमा नासिर के यहां हेल्थ केयर सेंटर में भर्ती कराया। आरोप लगाया कि सलमा ने डिलीवरी के दौरान लापरवाही से पंप की मदद से प्रेशर से बच्चे को खींच लिया। इस कारण बच्चे में मानसिक विकृति आ गई। कुछ दिनों बाद उसे मेडविन हास्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां भी ठीक से इलाज नहीं होने पर उसे मानसरोवर स्थित चाइल्ड केयर सेंटर में भर्ती कराया गया लेकिन 19 नवंबर 2024 को नवजात की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि रविवार को उप निरीक्षक प्रबोध कुमार और महिला सिपाही सीमा तोमर की टीम ने आरोपी सलमा नासिर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेजा गया है। झोलाछाप के हौसले बुलंद, तीन बार हटाई विभाग की सील कानूनी कार्रवाई न होने से झोलाछापों के हौसले बुलंद हैं। कटघर थाना क्षेत्र के करूला में सलमा नासिर हेल्थ केयर पर सीएमओ की टीम तीन बार सील लगा चुकी है। अब एक बार फिर यह अपंजीकृत नर्सिंग होम चलता मिला। डिप्टी सीएमओ ने सील की कार्रवाई करते हुए इस बार कोर्ट में परिवार दायर करने की तैयारी की है। डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल और उनकी टीम ने आईजीआरएस की शिकायत के आधार पर करूला स्थिल सलमा नासिर के अवैध नर्सिंग होम पर छापा मारा। पहले की तरह इस बार भी कोई डिग्री, प्रशिक्षित डॉक्टर या स्टाफ नहीं मिला। झोलाछाप महिला अवैध रूप से ओटी चला रही थी। इसमें वह नॉर्मल व सी-सेक्शन डिलीवरी करती है। अस्पताल में दो महिलाएं भर्ती भी मिलीं। उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि अस्पताल के खिलाफ तीन बार कार्रवाई की जा चुकी है लेकिन तीनों बार उसने सील हटा दी। सील लगाने के बाद लोहे की ग्रिल लगवाकर ताला लगा दिया गया था। झोलाछाप ने ग्रिल काटकर ताला तोड़ दिया और फिर लोगों की जान से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया। विभाग को कोर्ट में परिवाद दर्ज कराने के अलावा कोई और साधन नजर नहीं आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण

मुरादाबाद - अपर जिलाधिकारी प्रशासन/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत श्री गुलाब चन्द्र ने बताया कि जनपद-मुरादाबाद की त्रिस्तरीय पंचायतों का आगामी सामान्य निर्वाचन 2026 हेतु मतदाता सूचियों का वृहद पुनरीक्षण का कार्य दिनांक 15.01.2026 तक के मध्य संचालित है, जिसके अन्तर्गत बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने वाले का कार्य दिनांक 19 अगस्त 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाना है (जिसमें 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे)। ग्राम पंचायतों की मतदाता सूचियों का वृहद पुनरीक्षण कार्य के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा गणना एवं सर्वेक्षण कार्य के अतिरिक्त जनसामान्य द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त 2025 से 22 सितम्बर 2025 तक नियत है। ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि दिनांक 23 सितम्बर 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक की जाएगी। ग्राम पंचायतों के निवासियों को इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अपेक्षा की जाती है कि ग्राम पंचायतों में तैनात बी0एल0ओ0 को गणना कार्य में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें ताकि ग्राम पंचायतों की मतदाता सूचियों का वृहद पुनरीक्षण कार्य आयोग के निर्देशानुसार भली प्रकार से संपन्न हो सकें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सेहत बिगाड़ रहा बोतल का दूध.. हर माह 1600 बच्चे कुपोषित, पैदा होने वाले हर चौथे नवजात का वजन 2.5 किलो से कम

मुरादाबाद जिले में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक है। हर महीने औसतन 1600 बच्चे कुपोषण से पीड़ित पाए जा रहे हैं। इसका मुख्य कारण बच्चों को पर्याप्त मां का दूध न मिलना और बोतल के दूध पर ज्यादा निर्भरता, सिजेरियन डिलीवरी और स्तनपान से बचने की प्रवृत्ति सामने आई है।आधुनिक युग के अधिकांश बच्चों को पर्याप्त मात्रा में मां का दूध और देसी माखन नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि बोतल का दूध पीने से उन्हें ठीक से पोषण नहीं मिल रहा है। हालात यह है कि जिले में हर महीने 1600 बच्चे कुपोषण से पीड़ित मिल रहे हैं। यह आंकड़ा स्वास्थ्य विभाग का है।मां का दूध न मिलने की वजह सिजेरियन डिलीवरी और बच्चे को स्तनपान कराने से बचने की आदत है। तमाम बच्चे ऐसे भी हैं, जो विभाग के सर्वे में नहीं आए हैं। गर्भावस्था में महिला को सही खानपान और जन्म के बाद बच्चे को मां का दूध न मिलने से यह समस्या हो रही है।महिला अस्पताल का पिछले तीन माह का आंकड़ा कहता है कि यहां पैदा होने वाले हर चौथे नवजात का वजन 2.5 किलो से कम है। जिला अस्पताल की ओपीडी में आने वाले हर दूसरे बच्चे का वजन उम्र के सापेक्ष कम है। शहर में कुपोषित बच्चों का आंकड़ा देहात क्षेत्रों से दोगुना है। यहां सबसे ज्यादा 454 बच्चे जुलाई 2025 में कुपोषित मिले हैं। इसके बाद बिलारी 220 बच्चों की संख्या के साथ दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा शून्य से छह साल तक के बच्चों का है। प्रशासनिक अधिकारियों व स्वास्थ्य विभाग के लिए यह बड़ी चिंता है लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टरों का मानना है कि बच्चों को प्रोटीन, आयरन युक्त आहार न मिलना इसका बड़ा कारण है। आयरन की कमी वाले औसतन दो बच्चे हर दिन अस्पताल में आ रहे हैं। इन्हें चिल्ड्रन वार्ड में भर्ती कर ब्लड चढ़ाना पड़ता है। मोटापा भी कुपोषण का कारण, इनका कोई सर्वे नहीं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बीके दत्त और डॉ. शलभ अग्रवाल का कहना है कि पिछले आठ वर्षों में कुपोषण का ग्राफ बदला है। अंडर वेट वाले बच्चे कम हुए हैं। ज्यादा वजन वाले बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह बच्चे भी कुपोषित की श्रेणी में आते हैं। जंक फूड खाने व शारीरिक गतिविधि न होने के कारण इनमें शुगर की समस्या उत्पन्न हो गई है। एंडोक्रोनोलॉजिस्ट डॉ. सैयद मो. रजी की ओपीडी में ऐसे केस आए हैं, जिनमें 12 साल के बच्चे का वजन 90 किलो है। बाल विकास विभाग ऐसे बच्चों का कोई सर्वे नहीं करता, जबकि जिलाधिकारी भी बैठक में कई बार इस विषय पर चर्चा कर चुके हैं। क्षेत्र (ब्लॉक/शहर) कुपोषित बच्चों की संख्या मुरादाबाद शहर 454 बिलारी 220 कुंदरकी 199 मुरादाबाद देहात 164 डिलारी 158 छजलैट 138 मूंढापांडे 130 भगतपुर टांडा 96 ठाकुरद्वारा 89 नोट- यह आंकड़ा जुलाई 2025 का है। कुपोषित बच्चों के लिए जिला अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र हैं। सभी 10 बेड फुल हैं। हर दिन औसतन दो बच्चे यहां भर्ती करने पड़ते हैं। 14 दिन तक इन्हें प्रोटीन व आयरन युक्त आहार दिया जाता है। इसके बाद हर 15 दिन में फॉलोअप के लिए बुलाते हैं। -डॉ. राजेंद्र कुमार, चिकित्साधीक्षक वर्तमान में अंडरवेट और ओवरवेट दोनों बच्चों की संख्या लगभग समान है। दोनों की चिंता अनिवार्य है। अंडरवेट वालों को अच्छा आहार देकर पोषित किया जा सकता है। ओवरवेट वाले बच्चों को मोबाइल, जंक फूड से दूरी बनानी होगी। भविष्य में शुगर, बीपी, हृदय रोगों का खतरा है। - डॉ. शलभ अग्रवाल, बाल रोग विशेषज्ञ

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विश्व हिंदू परिषद ने उर्स और जयंतियों पर सरकारी विद्यालयों को बंद किए जाने का जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी उर्स और जयंतियों के दौरान सरकारी विद्यालयों को अस्थायी तौर पर बंद किए जाने का विश्व हिंदू परिषद ने विरोध जताया है। परिषद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हर वर्ष उर्स के समय जारियां शहर के कई सरकारी विद्यालयों में रुकते हैं, जिससे विद्यालयों की पढ़ाई बाधित होती है और बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है। विहिप पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के लिए बने हैं, न कि किसी धार्मिक आयोजन या अन्य उपयोग के लिए। उन्होंने मांग की कि सरकारी विद्यालयों में किसी भी प्रकार की अस्थायी रुकने या ठहरने की अनुमति न दी जाए। परिषद ने यह भी कहा कि कानाफूसी के चलते सड़क पर सोने वाले लाखों कांवरियों के साथ दुर्घटनाएं हो जाती हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन बार-बार सरकारी विद्यालयों को खोलकर जयंतियों के लिए उपलब्ध करा देता है, जो उचित नहीं है। विहिप का कहना है कि हिंदू और मुसलमानों के लिए दो अलग-अलग कानून लागू नहीं होने चाहिए। यदि किसी समुदाय को विद्यालय उपयोग की अनुमति नहीं दी जाती तो दूसरे समुदाय को भी यह सुविधा नहीं मिलनी चाहिए। परिषद ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि सरकारी विद्यालयों में उर्स या जयंतियों के दौरान किसी प्रकार का ठहराव कराया गया तो हिंदू समाज आंदोलन करने को मजबूर होगा। प्रेसवार्ता में द्वारिकेश मोहन, पियुष कुमार मोहन, अरविंद कुमार, गोविंद, कपिल शर्मा, तेजपाल, जितपाल पाल सहित अन्य पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

10 साल के ममेरे भाई की हत्या

पुलिस ने मुठभेड़ में हत्यारे, को फायरिंग कर पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। फतेहगंज पश्चिमी के गांव टिटौली निवासी दस साल के आहिल पुत्र सखावत की शाही क्षेत्र के जंगल में ब्लेड से गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्यारोपी उसका फुफेरा भाई 28 वर्षीय वसीम पुत्र नफीस निकला। उसे पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में घुटने के नीचे गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी मिलने पर रात में ही एसएसपी अनुराग आर्य ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े दस बजे थाने पर सखावत ने बेटे आहिल के शाम पांच बजे से लापता होने की सूचना दी। आहिल की तलाश में टीम जुटी। इसी दौरान सखावत के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से दस लाख रुपये की फिरौती मांगने का मैसेज आया। जांच में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिली, जिसमें आहिल का फुफेरा भाई वसीम उसे बाइक से शाही की ओर ले जाता दिखा। जांच के बाद वसीम को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने आहिल के अपहरण की बात स्वीकार की। कहा कि आहिल के पिता यानि अपने मामा से दस लाख रुपये की फिरौती मांगी। जब उसे पता लगा कि मामा सखावत पुलिस के संपर्क में हैं तो थाना शाही क्षेत्र के गांव विक्रमपुर के जंगल में ले जाकर आहिल की ब्लेड से गला काटकर हत्या कर दी। फिर शव झाड़ियों में छिपा दिया।

गौसेवक कन्हा गौशाला पहुंचकर गौशाला मे पशुओं को हरा चारा और गुड़ खिलाकर कि गौसेवा

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया - नगर में स्थित कन्हा गौशाला में आज कस्बे के व्यापार मंडल जिलाउपाध्यक्ष अखलेश गुप्ता और भाजपा के मंडल मंत्री गौरव शर्मा के साथ मझोला से कपिल अग्रवाल जिला प्रतिनिधि मा संजय सिंह गंगवार राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यूवा व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश कस्बे के व्यापरियो के साथ कन्हा गौशाला पहुंचकर कि गौसेवा अखलेश गुप्ता ने बताया कि आज कस्बे के गौसेवक कन्हा गौशाला पहुंचकर गौशाला मे पशुओं को हरा चारा और गुड़ खिलाकर कि गौसेवा और कपिल अग्रवाल जी ने बताया की । गत 15 अगस्त को रात्रि 10.15 बजे न्यूरिया कान्हा गोसदन में कुछ गंभीर अनियमितताओं की सूचना वहां के गौ प्रेमियों द्वारा मुझे दी गई जिस पर तत्काल जिलाधिकारी महोदय पीलीभीत श्रीमान ज्ञानेंद्र सिंह जी को इस विषय से अवगत कराया, त्वरित कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी महोदय ने उसी रात्रि 11 बजे तक बड़े प्रशासनिक अधिकारियों समेत पूरे जिम्मेदार अमले को उक्त गौ सदन में भेज कर अधिकांश समस्याओं का निस्तारण रात्रि में ही करवा दिया शेष पर भी अगले दिन कार्यवाही शुरू हो गई। इस द्रुत गति से रात के 11 बजे समस्या की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी द्वारा जिस प्रकार संज्ञान लिया गया और सार्वजनिक अवकाश का दिन होने के उपरांत भी उसी समय कार्यवाही प्रभावी हुई, यह देखना एक अत्यंत सुखद आश्चर्य था। इतने सरल, करुण हृदय, गौ प्रेमी, कर्तव्य निष्ठ जिलाधिकारी महोदय श्रीमान ज्ञानेंद्र सिंह जी को पूरे क्षेत्र की ओर से कोटि कोटि धन्यवाद। गौ सेवक टीम के रोहित पाण्डेय मुकेश गुप्ता महेश शर्मा बजरंग अग्रवाल पवन अग्रवाल टिंकू कश्यप ओमप्रकाश शर्मा निरंजन राठौर राकेश गुप्ता सभी सदस्य उपस्थित रहे

न्यूरिया की कान्हा गौशाला मे गौ सेवा करते गौ सेवक

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

श्री हरि मंदिर का 65 वां बार्षिक महोत्सव में श्रीमद भागवत की निकली भव्य कलश शोभा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन, बरेली के 65 वा विराट भक्ति वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद भागवत कथा के शुभ आरम्भ से पूर्व मांगलिक दिव्य कलश यात्रा निकली गई। दिव्य मांगलिक कलश यात्रा में 108 महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश ले करके सबसे आगे चल रही थी। शोभा यात्रा में श्री हरि मंदिर संकीर्तन मंडल के भक्तों ने श्री हरि नाम संकीर्तन की रस धारा बहाई। नगर वासियों ने शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर करके जोरदार स्वागत किया। पठानकोट से पधारे पूज्य भागवत भूषण श्री अतुल कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने रथ पर विराजमान होकर दर्शन और आशीर्वाद दिया। शोभा यात्रा में बैंड बाजे,संकीर्तन एवं भगवान श्री राधा कृष्ण की सजल झांकी आती शोभायमान लग रही थी। कलश यात्रा के पश्चात आचार्य जी के सानिध्य में श्री भागवत जी का विधिवत पूजन कथा के यजमान सुप्रिया-अंकित अग्रवाल , श्रुति -अनुज अग्रवाल, (मनी) शीशगढ़ वालों ने कराया । पठानकोट से पधारे पूज्य श्री अतुल कृष्ण शास्त्री जी ने श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से वर्तमान एवं भविष्य दोनों को शांति मिलती है। भागवत सर्व श्रेष्ठमान है, क्योंकि यह सबसे सरल एवं कलयुग में मानव के कल्याण के लिए, सबसे उत्तम और कल्याणकारी यज्ञ है। कलयुग में उठते बैठते,चलते फिरते यहां तक की स्वास लेते हुए भी भागवत जी का ध्यान करते रहे, सतयुग, द्वापर ,त्रेता में कठिन भक्ति करने वाले के उपरांत भी मुक्ति कठिन होती थी,परंतु कलयुग में केवल नाम स्मरण से ही मुक्ति के द्वार खुल जाते हैं। मौत का भय नष्ट हो जाता है। प्रातः उठते ही मंगलाचरण में सबसे पहले भगवान का नाम आने से दिनचर्या सुगम एवं सुखद रहती है। श्रीमद्भागवत कथा 24 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से 10 बजे तक होगी।आप सभी सादर सपरिवार आमंत्रित हैं। आज के कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा ,अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा, अनिल चढ़ा,हरीश लुनियाल,दीपक साहनी, राजेश अरोड़ा, संजीव अरोड़ा, विनोद भाटिया, सचिन सेठी,अतुल कपूर,कथा के यजमान सुप्रिया अंकित अग्रवाल, शुभ अनुज अग्रवाल शीशगढ़ वाले आदि उपस्थित रहे । महिला सेवा समिति की अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, कंचन अरोड़ा, नीलम साहनी, नेहा आनंद, नीलम लुनियाल, ममता ओबेरॉय ,सीमा तनेजा, प्रवेश कोचर, निशा लखानी, अलका छाबड़ा, विमल सोंधी,मीरा कथूरिया आदि उपस्थित रहीं ।

आरक्षण और वोट खत्म कर रही है भाजपा- अताउर रहमान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी की बैठक पीडीए पंचायत पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप ने की पीडीए पंचायत के मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव एवं बहेड़ी विधायक अताउर रहमान रहे। संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। पंचायत में नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष गुरु प्रसाद काले का जोरदार स्वागत किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के लोग उपस्थित रहे। इसी दौरान महिपाल कश्यप, मीरगंज ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप ने कहा कि आज समाजवादी पार्टी से हर विधानसभा क्षेत्र से कश्यप समाज जुड़ रहा है और पूरी ताक़त के साथ पार्टी के साथ खड़ा है। मुख्य अतिथि विधायक अताउर रहमान ने कहा कि अब समाजवादी पार्टी केवल मुसलमानों और यादवों की पार्टी नहीं रही, बल्कि यह पूरी तरह से पीडीए की पार्टी है। हमारे नेता आदरणीय अखिलेश यादव जी पीडीए के जननायक हैं और पीडीए के लोगो को पूरा सम्मान दे रहे हैं।अब किसी एकलव्य को अपना अंगूठा देना नहीं पड़ेगा बल्कि अपना निशाना साधे आईएस,पीसीएस अधिकार बने पीडीए पंचायत में ये लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव,मनोहर पटेल, सैयद हैदर अली,प्रमोद बिष्ट अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर महानगर उपाध्यक्ष दिनेश यादव जिला सचिव बृजेश श्रीवास्तव सविता द्रोण कश्यप,डॉ अनीस बेग,संजीव सक्सेना सूरज यादव महिला सभा की जिला अध्यक्ष स्मिता यादव,कमलेश रस्तोगी,अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष असलम खान पार्षद गौरव सक्सेना पार्षद,आरिफ कुरैशी, शकील कुरैशी,जितेंद्र मुंडे,राम सेवक प्रजापति,अनुज बाल्मीकि एड,संजीव कश्यप,हरि सिंह बाल्मीकि, सुनील भारत बाल्मिकी मंगू सिंह बाल्मीकि राजकुमार आनंद दिनेश कुमार सत्संगी इंजीनियर अतिकय वाल्मीकि, नरेश वाल्मीकि आदि लोग मौजूद रहे ।

न्यूरिया मे श्री कृष्णा जन्मआष्टमी के पर्व पर धूमधाम मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया मे श्री कृष्णा जन्मआष्टमी के पर्व पर धूमधाम से मनया गया और आज शाम पांच बजे शोभा यात्रा निकली गयी इसमें देवी देवताओ के स्वरुप की झकिया आकर्षिण का केंद्र रही जन्मआष्टमी उत्सव अनुठे अंदाज़ मे मनाया गया सजाई गयी झकियो के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कन्हैया के जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया भगवान कृष्ण को सुंदर वृंदावन नगरी तथा मथुरा के दृश्य की मनमोहक झकिया सजाई गई कन्हैया के द्वारा माखन चोरी करने राधा जी के साथ बांसुरी बजाने कालिया नाग के फन पर निर्णय करने भगवान कृष्ण की कई लीलाओं का सुंदर झांकियां से शोभा यात्रा का जगह जगह भव्य रूप से स्वागत किया गया कई जगह लोगो ने प्रसाद वितरण किया शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ नहीं आज शाम पांच बजे से रात देर रात तक श्रद्धालु की भीड़ लगी रही सुरक्षा को लेकर थाना प्रभारी सुभाष मावी बा कस्बा इंचर्ज संजीव डगर बा थाने के स्टॉफ के साथ फॉर्स भी शोभा यात्रा के साथ साथ रही शोभा यात्रा ठाकुरद्वारा बड़े मंदिर से भगवान स्वरूप साजे भगवान श्री कृष्णा श्री राम लक्ष्मण हनुमान शत्रुघ्न भरत सहित कई देवी देवतो की शोभा यात्रा निकली गई कस्बे की बिभिन्न गलिया जयकारों से गूज उठी इसके अलाबा कई जगह शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया कस्बे के गालिया मे घूमते हुए ठाकुरद्वारा मंदिर पर आकर समाप्त हुई शोभा मे पुजारी जी रोहित पाण्डेय सभासद मुकेश राठौर राकेश गुप्ता मुन्नालाल राजीव गुप्ता पवन अग्रवाल बजरंग अग्रवाल शिवचरण लाल शर्मा टिंकू कश्यप संतोष कुमार विमल गुप्ता बंटी गुप्ता मुकेश कुमार टिंकू राठौर आदि भक्त शोभ यात्रा मे उपस्थित रहे

न्यूरिया नगर में निकलती भगवान श्री कृष्ण की दधिकांधो शोभा यात्रा

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आला हजरत वेलफेयर सोसाइटी इस बार भी उर्स के दौरान करेगी लँगरे आम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आला हजरत वेलफेयर सोसाइटी की जानिब से हर साल उसे आला हजरत में लंगर होता है और यह लंगर लगातार 23 साल से चला आ रहा है। यह जानकारी सोसाइटी के अध्यक्ष हसीन अख्तर रिजवी ने एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस साल भी लंगर का इंतजाम किया जा रहा है। यह लंगर 4 दिन इस्लामिया स्कूल के अंदर लगातार चलता है। जिसमें दूर दराज के मेहमान आते हैं। उनकी खिदमत में हमारी कमेटी के सदस्य लगे रहते हैं। हमारी कमेटी के सदर हसीन अहमद रिजवी जो हमारी कमेटी के संस्थापक हैं । इस अवसर पर रियासत बैग, मुजीब मौलाना मुजीबुर रहमान, कैसर अली, सफीकुल अहमद, मुजीब, समसुल, राजा खान, इमरान, राजा खान, सफीक अहमद, जहीरुद्दीन, अरशद अली, मोहम्मद मदनी, रिजवान, अरशद खान, हाफिज, राशिद अली, गुलाम-ए-मुस्तफा, तालिब, यासीन आदि मौजूद रहे।

कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने आज आयोजित अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा प्राप्त शिकायतों एवं समय सीमा के पत्रों का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विभागों में सीएम हेल्पलाइन की अधिक शिकायतें लंबित हैं, उनके अधिकारी शिकायतकर्ता से सीधे दूरभाष पर चर्चा करें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निराकरण योग्य न होने पर भी शिकायतकर्ता को उसका कारण समझाया जाए ताकि शासन की कार्यप्रणाली पर विश्वास बना रहे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों की समीक्षा भी की गई तथा खाद्यान्न वितरण, सीमांकन एवं खाद आपूर्ति संबंधी कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर चौधरी ने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे और सभी शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक समय पर हो। शासन का उद्देश्य है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान शीघ्र एवं प्रभावी ढंग से किया जाए।

प्रस्फुटन समितियों की बैठक सह प्रशिक्षण एवं माटी गणेश सिद्ध गणेश कार्यशाला संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, शिवपुरी। जन अभियान परिषद विकासखंड शिवपुरी अंतर्गत प्रस्फुटन समितियों की विकासखंड स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण एवं माटी गणेश सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर जिला समन्वयक डॉ. रीना शर्मा, विकासखंड समन्वयक शिशुपाल सिंह जादौन, समाजसेवी एवं प्रशिक्षक शशांक सिंह चौहान तथा मूर्ति निर्माण प्रशिक्षक पूजा जादौन विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. रीना शर्मा ने प्रस्फुटन समितियों की जिम्मेदारियों और विभिन्न अभियानों जैसे माटी गणेश सिद्ध गणेश, नशामुक्ति, एक पेड़ मां के नाम, नवांकुर सखी आदि की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर माटी गणेश अभियान अब तक का सबसे महत्वपूर्ण अभियान है। हमें आस्था के साथ-साथ प्रकृति की रक्षा के लिए घर-घर मिट्टी के गणेश स्थापित करने चाहिए। कार्यशाला में मूर्ति निर्माण प्रशिक्षक शशांक सिंह चौहान एवं पूजा जादौन द्वारा मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं भी मिट्टी के गणेश जी की प्रतिमाएं बनाई। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता केशव शर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन विकासखंड समन्वयक शिशुपाल सिंह जादौन ने किया। इस अवसर पर चंदन सिंह धाकड़, सहित प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी एवं नवांकुर सखी प्रेरक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

माधौगढ़ में सम्पूर्ण समाधान दिवस, डीएम ने दिखाई सख्ती, अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोका

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ माधौगढ़ तहसील सभागार में सोमवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार ने फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 07 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्थलीय सत्यापन के बाद गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप ही शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान किया जाए।जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए खंड विकास अधिकारी माधौगढ़ अरुण सिंह, एलडीएम अनुराग सक्सेना, भूमि संरक्षण अधिकारी संदीप सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम नगरी हिमांशु नेगी और लेखपाल कमलकांत गोस्वामी की अनुपस्थिति पर एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए। इसी बीच एक प्रार्थना पत्र में यह आरोप लगाया गया कि लेखपाल निशा ने विरासत से जुड़े कई प्रकरण अपने स्तर से ही निरस्त कर दिए हैं। जिलाधिकारी ने इस मामले को गंभीर मानते हुए जांच कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि विवाद जैसे संवेदनशील मामलों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए और अधिकारी स्थलीय निरीक्षण के साथ फीडबैक लेना अनिवार्य करें। पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी भी शिकायत दर्ज कर मामले का निस्तारण करेंगे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी माधौगढ़ राकेश सोनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नरेंद्र देव शर्मा, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विकास अधिकारी सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज की छात्रा का शोध आईसीएमआर में चयनित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत मेडिकल कॉलेज की मेधावी छात्रा अंशिका का शोध भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने चयनित किया है। कॉलेज के तीन शोध में अंशिका के शोध का सराहा गया। इसके बाद अब इस विषय पर गहन अध्ययन के लिए छात्र को आईसीएमआर से बजट स्वरूप धनराशि दी जाएगी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय पीलीभीत ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। महाविद्यालय की एमबीबीएस सत्र 2024 की छात्रा अंशिका का लघु अवधि छात्रवृत्ति अनुसंधान परियोजना (एसटीएस प्रोजेक्ट) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा चयनित किया गया है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण अभियान के क्रियान्वयन का अध्ययन बाधाएं एवं सुधार हेतु सुझाव के विषय पर छात्र ने शोध किया था। इसका मार्गदर्शन सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सिंह ने किया। इस उपलब्धि में संस्थानिक आचार समिति के सदस्य सचिव डॉ.पीसी श्रीवास्तव व उनकी टीम की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। छात्र का विषय चयन होने के बाद महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। अब आईसीएमआर द्वारा शोध के भौतिक व धरातल अध्ययन के लिए एक लाख रुपये की राशि दी जाएगी। इसके बाद अध्ययन का भौतिक परीक्षण किया जाएगा, जिले व अन्य गैर जनपद में घूमकर पोषण अभियान के क्रियान्वयन की स्थिति परखी जाएगी। शोध में महाविद्यालय की अन्य दो छात्राएं शारदा राठौर ने अत्यधिक स्क्रीन समय के कारण उच्च तनाव स्तर एवं अपर्याप्त निद्रा से प्रभावित चिकित्सा छात्रों पर योग अभ्यास का प्रभाव व एक हस्तक्षेपी अध्ययन विषय पर शोध प्रस्तुत किया। इसका मार्गदर्शन बायोकैमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा सक्सेना ने किया। वहीं, प्रत्यक्षा वार्ष्णेय ने युवाओं पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन स्वास्थ्य एवं शैक्षिक परिणामों का अध्ययन विषय पर शोध प्रस्तुत किया। इसका मार्गदर्शन फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रेयशी ने किया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने छात्र अंशिका को बधाई देते हुए कहा कि आईसीएमआर द्वारा जिस विषय का चयन किया गया है वह सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं पर कार्य की स्थिति परखने का बेहतर विषय है, जिस पर अब कार्य किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्लॉक में भ्रष्टाचार की आशंका पर मचा हड़कंप, पंचायत सचिव के कार्यरत निजी कर्मचारी बना पत्रकार

क्यूँ न लिखूँ सच/ क्षेत्र में पंचायत सचिव के यहां वर्षों से कार्यरत एक निजी कर्मचारी के पत्रकार बन जाने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत कार्यालय के गोपनीय दस्तावेज़ों और कामकाज तक पहुंच रखने वाला व्यक्ति जब पत्रकार की भूमिका निभाएगा तो निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठना लाजिमी है।जानकारी के अनुसार संबंधित युवक पंचायत सचिव के दफ्तर में निजी तौर पर कार्य करता था और पंचायत से जुड़ी फाइलों, बिलों और योजनाओं की जानकारी उसके पास रहती थी। अब पत्रकारिता का परिचयपत्र लेकर सक्रिय हो जाने से ग्रामीणों का मानना है कि पंचायत स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को वह उजागर करने के बजाय दबाने का काम कर सकता है। ग्रामीण संगठनों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि तुरंत जांच न हुई तो पंचायत कार्यालय और पत्रकारिता दोनों की साख पर बट्टा लगेगा। उनका आरोप है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार पहले से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है और ऐसे हालात में सचिव का व्यक्ति पत्रकार बने तो निष्पक्ष रिपोर्टिंग असंभव हो जाएगी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस प्रकरण की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पंचायत व्यवस्था और पत्रकारिता दोनों की गरिमा सुरक्षित रह सके।

बाघमित्रों की जान पर सबसे अधिक खतरा वेतन शून्य, सेवा या शोषण

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत के जंगली इलाकों से बाघों या अन्य जंगली जानवरों का आबादी में आना कोई नई बात नहीं है। जंगली जानवरों की सूचना मिलते ही सबसे पहले बाघमित्र जा कर घटना की पुष्टि करते हैं यानि सबसे ज्यादा खतरा बाघमित्रों पर ही होता है। हाल ही में पीलीभीत में लंबे समय तक एक बाघिन की दहशत देखी गई। जिससे निपटने के लिए वन विभाग की टीम जुटी रही, लेकिन एक टीम ऐसी भी थीं जिसने वन विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इन परिस्थितियों से सामना किया। वन विभाग के कर्मचारियों को तो अपनी ड्यूटी करने के लिए सरकार से वेतन मिलता है, मगर इस टीम के लोग बिना किसी वेतन और बिना किसी ओहदे के ही पूरे साल वनकर्मियों जितनी कड़ी मशक्कत करते हैं। वैसे तो पीलीभीत ईको टूरिज्म के लिए जाना जाता है लेकिन इस बात को भी नहीं नकारा जा सकता कि पीलीभीत हाल के कुछ सालों में इंसानों और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष की घटनाओं के चलते देशभर में सुर्खियों में बना रहता है। वैसे तो गन्ने की कटाई का सीज़न इन परिस्थितियों के लिहाज़ से सबसे अधिक संवेदनशील होता है, मगर अब पीलीभीत में लगभग पूरे साल ही ऐसी परिस्थितियां बनी रहती है। इन्हीं परिस्थितियों से निपटने में वन विभाग की मदद के लिए तमाम हल्ह काम करते हैं। जिसमें सबसे प्रमुख भूमिका विश्व प्रकृति निधि (WWF) की होती है?। संस्था की ओर से पीलीभीत में लगातार बढ़ ही मानव वन्यजीव संघर्ष की परिस्थितियों में वन विभाग की मदद के लिए एक ख़ास वॉलेन्टियर टीम तैयार की है। जिसमें जंगल से सटे इलाकों में रहने वाले ग्रामीण स्वेच्छा से कार्य करते हैं। वहीं इन कार्यों के लिए इन ग्रामीणों को किसी भी प्रकार का कोई वेतन या मानदेय नहीं दिया जाता, इस टीम में काम करने वाले सभी लोग महज सेवाभाव के चलते काम करते हैं। इसी के चलते इस मॉडल को बाघमित्र नाम दिया गया है। भले ही बाघ मित्रो को कोई मानदेय या वेतन नहीं मिलता हो मगर मानव वन्यजीव संघर्ष की परिस्थितियों में इनकी भूमिका वन विभाग के कर्मचारियों से कम नहीं होती। किसी भी इलाके में वन्यजीव के आ जाने या फिर संघर्ष की सबसे पहली सूचना पर बाघ मित्र ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की पुष्टि करते हैं। वहीं जानवरों के पगमार्क व अन्य आवश्यक सूचनाओं को संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। संघर्ष की स्थिति में कई बार इन बाघमित्रों को ग्रामीणों का गुस्सा भी झेलना पड़ता है। हाल ही में एक बाघिन को रेस्क्यू करने के लिए ऑपरेशन थर्ड आई 7 दिनों तक दिन चला। इस ऑपरेशन के दौरान 40 बाघ मित्रों की टीम दिन रात जुटी रही। अलग-अलग स्थानों से लगातार आ रही सूचनाओं के बीच टाइगर की सटीक लोकेशन ट्रेस करने में भी इन बाघमित्रो की अहम भूमिका रही। वहीं इस टीम के कुछ सदस्य लगातार ग्रामीणों को जागरूक करने में जुटे थे। विश्व प्रकृति निधि के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि मानव वन्यजीव संघर्ष की परिस्थितियों में बाघमित्र, ग्रामीणों व वन विभाग के बीच समन्वयक की भूमिका निभाते हैं,इससे सटीक व पुष्ट सूचनाओं का आदान प्रदान होता है।

गालीबाज महक-परी: दोनों बहनों का एक और वीडियो आया सामने, मेले में हुई लोगों से लड़ाई; भीड़ ने ड्राइवर को पीटा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद चालक ने कार नहीं रोकी तो लोगों ने पीछा कर उसे घेर लिया। कार से चालक को उतार कर उसके साथ हाथापाई कर दी। सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट परोसकर विवादों में घिरीं संभल की यूट्यूबर महक परी की कार और बाइक की मामूली टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों बहनों ने जमकर हंगामा किया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। हंगामा करती महक परी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।यूपी के संभल स्थित जोया कस्बे के साप्ताहिक बाजार परिसर में नुमाइश लगी हुई है। रविवार देर शाम संभल के असमोली थानाक्षेत्र के गांव शहबाजपुर कलां निवासी यूट्यूबर बहन महक परी कार में सवार होकर मेले में आई थीं। वापस लौटते समय उनकी कार और एक बाइक की टक्कर हो गई प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद चालक ने कार नहीं रोकी तो लोगों ने पीछा कर उसे घेर लिया। कार से चालक को उतार कर उसके साथ हाथापाई कर दी। इसके बाद महक परी भी कार से उतर आई और हंगामा शुरू कर दिया। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान दोनों बहनों ने जमकर हंगामा किया। इस बीच किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। विवाद बढ़ता देकर स्थानीय लोगों ने दोनों पक्षों को समझा कर मामला शांत करा दिया। जिसके बाद दोनों पक्ष वहां से चले गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। अगर तहरीर मिलती है तो मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सुशासन तिहार के विरुद्ध 95वाँ दिन अनिश्चितकालीन हड़ताल, सपहा के लालजी बौद्ध ने उठाए गंभीर सवाल

मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों का आक्रोश, मुख्यमंत्री के सूरजपुर आगमन को लेकर चर्चाओं का दौर तेज

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर/ छत्तीसगढ़ सुशासन तिहार के खिलाफ जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल आज 95वें दिन भी जारी रही। बिजली, पक्की सड़क, पुलिया, पानी, सामुदायिक भवन, वन अधिकार पट्टा, कूप निर्माण, सोलर पंप और ड्यूल पंप जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर हड़ताली ग्रामीणों का आंदोलन और उग्र होता जा रहा है। ग्राम सपहा के वार्ड पंच लालजी बौद्ध ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के 20 अगस्त को होने वाले सूरजपुर दौरे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि - क्या मुख्यमंत्री जी सूरजपुर की धरती पर विकास की सौगात लेकर आएंगे या खाली हाथ लौट जाएंगे? वन विभाग और प्रशासन पर आरोप लालजी बौद्ध ने वन विभाग और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर, रेंजर और कुछ अधिकारी मिलकर हड़ताल को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। लालजी का आरोप है कि उन्हें और उनके परिवार को टारगेट बनाकर नोटिस थमाए जा रहे हैं, जबकि पूरे क्षेत्र में सैकड़ों लोगों ने बिना अनुमति मकान निर्माण और अन्य काम किए हैं। ग्रामीणों में आक्रोश ग्रामीणों का कहना है कि सुशासन तिहार के नाम पर सरकार ने केवल दिखावा किया है। सुविधाओं का आश्वासन दिया गया लेकिन धरातल पर कुछ नहीं बदला। अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे रहा है। बीमारियों से जूझ रहे हड़ताली बच्चों और बुजुर्गों की हालत ने चिंता और बढ़ा दी है। राजनीतिक बयानबाजी तेज हड़ताल के बीच भाजपा पदाधिकारी और स्थानीय नेताओं के बयान भी ग्रामीणों में असंतोष पैदा कर रहे हैं। लालजी बौद्ध ने आरोप लगाया कि सपहा के ही कुछ लोग गांववालों को भड़काने और हड़ताल तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जनआंदोलन की चेतावनी लालजी बौद्ध ने ऐलान किया है कि यदि मांगें पूरी नहीं होतीं तो यह आंदोलन ग्राम स्तर से आगे बढ़कर तहसील, जिला और राज्य स्तर तक जनआंदोलन का रूप लेगा। उन्होंने कहा कि - स्वतंत्रता दिवस मनाए 77 साल हो चुके, लेकिन सपहा और आसपास के गांव अब भी गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए हैं। सरकार जश्न मनाकर अपनी नाकामी छिपा रही है। मुख्यमंत्री के दौरे पर टिकी निगाहें 20 अगस्त को सूरजपुर में होने वाले मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उम्मीद और आशंका दोनों है। हड़तालियों का कहना है कि यदि इस दौरे पर भी उनकी मांगों की अनदेखी हुई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

कैराना में जगह-जगह जलभराव से जनता बेहाल जिम्मेदार प्रशासन मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ कैराना शामली नगर में जलभराव की समस्या दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। गलियों और मुख्य रास्तों पर गंदा पानी जमा होने से आमजन का जीना दूभर हो गया है। लोग बदबू, मच्छरों और गंदगी के बीच मजबूरन गुजर-बसर कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि बड़े नालों की सफाई के लिए एक बार की सफाई पर ही 40-40 लाख रुपये के ठेके दिए जाते हैं। लेकिन इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। दूसरी ओर मोहल्लों में मौजूद छोटे-छोटे नालों की सफाई पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दी जाती है। यही छोटे नाले पानी निकासी की रीढ़ होते हैं और इन्हीं की लापरवाही आज भारी जलभराव की असली वजह बनी हुई है। छह महीने से अधिक समय बीत चुका है जब नालों की सफाई की गई थी। जबकि बरसात से पहले ही सफाई का काम निपटा लिया जाना चाहिए था, ताकि बरसात में जनता को परेशानी का सामना न करना पड़े। लेकिन नगरपालिका प्रशासन की उदासीनता ने लोगों को दलदल जैसी स्थिति में धकेल दिया है। कहीं न कहीं देखा जाए तो नगरपालिका परिषद पानी की निकासी की व्यवस्था को लेकर पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। यही वजह है कि शहर में जलभराव की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है।लोगों का कहना है कि अगर समय रहते छोटे नालों की सफाई की गई होती तो हालात इतने बदतर न होते। लाखों रुपये के ठेके और दावों के बावजूद आज कैराना में हालात यह हैं कि जगह-जगह जलभराव से नगर तालाब जैसा नजर आ रहा है। क्या यही है विकास का मॉडल? जनता अब सवाल कर रही है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी और नगर पालिका कब अपनी नींद से जागेंगे और इस गंभीर समस्या का समाधान करेंगे?

स्वास्थ्य व्यवस्था बैसाखियों पर - 16 हजार NHM कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

क्यूँ न लिखूँ सच/ छत्तीसगढ़ प्रदेश में कार्यरत 16,000 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्।रू) कर्मचारी अपनी नियमितीकरण एवं 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों की हड़ताल का सीधा असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है, जिससे अस्पतालों में मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेशभर में जहां एक ओर मरीज इलाज के लिए अस्पतालों में भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवाओं के मानक तय करने वाले राष्ट्रीय पोर्टल का पूरा काम भी ठप हो गया है। संघ ने स्पष्ट किया है कि - पिछले 20 वर्षों से लगातार सेवा देने के बावजूद ह्।रूकर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं किया गया। समय-समय पर सरकार से वार्ता होने के बाद भी केवल आश्वासन मिले हैं। कर्मचारियों को न तो स्थायित्व मिला, न ही उचित वेतनमान। 10 सूत्रीय मांगों में नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, स्थानांतरण नीति, सेवा शर्तों का निर्धारण, सामाजिक सुरक्षा लाभ सहित अन्य बिंदु शामिल हैं। संघ का कहना है कि सरकार की उपेक्षा और टालमटोल की नीति से मजबूर होकर कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। यह संघर्ष केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था और लाखों मरीजों के हित से जुड़ा हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित मिरी ने कहा - हम 20 वर्षों से प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं। कोरोना महामारी हो या आपातकालीन परिस्थिति, ह्।रू कर्मियों ने हमेशा अपनी जिम्मेदारी निभाई है। लेकिन आज जब हम अपने हक और भविष्य की सुरक्षा की बात करते हैं, तो सरकार मौन है। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।卐 संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्याम मोहन दुबे ने कहा कि प्रदेश सरकार से पुनः आग्रह किया कि तत्काल ठोस पहल करते हुए कर्मचारियों की मांगों का समाधान निकाला जाए, अन्यथा आंदोलन और अधिक उग्र होगा। जिलाध्यक्ष बृजलाल पटेल के नेतृत्व मे आज रंगमंच मैदान सूरजपुर मे एनएचएम कर्मचारी संघ का प्रथम दिवस का धरना-प्रदर्शन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमे एनएचएम के सभी पदाधिकारीगण और मैदानी कर्मचारी उपस्थित रहे.

शामली प्रदेश सरकार के महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस का आ योजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ जिलाधिकारी शामली, श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में तहसील शामली में आयोजित किया गया। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आइजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में आज फरियादियों द्वारा 34 शिक़ायती पत्र प्राप्त हुए प्राप्त शिकायती पत्रों में से मात्र 03 शिकायत का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। और शेष शिकायतों के समय से निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक श्री राम सेवक गौतम ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस से संबंधित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर एसडीएम शामली विनय प्रताप सिंह भदौरिया, सीएमओ डॉ अनिल कुमार,पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द,तहसीलदार शामली सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे इसके अलावा तहसील कैराना में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन श्री सत्येन्द्र सिंह,अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए संबंधित विभागों को निस्तारण के निर्देश दिये। संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी के समक्ष 14 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर 02 शिकायत का निस्तारण किया गया। और शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।इस अवसर एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज सहित समस्त संबंधित अधिकारी मौजूद रहें। इसके अलावा तहसील ऊन में तहसीलदार ऊन ललिता चौधरी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसीलदार के समक्ष मात्र 05 शिकायतें आईं जिनमें से मोके पर 01 शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

खनन क्षेत्रों की ड्रोन से होगी निगरानी, अवैध भंडारण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ विशेष सचिव/अपर निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने जनपद शासकीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान खनन क्षेत्रों का ड्रोन से सर्वे, सर्विलांस एवं थ्री-डी/ वॉल्यूमेट्रिक असेसमेंट के माध्यम से निरीक्षण किया। तहसील उरई के ग्राम चिल्ली स्थित दीप्ति गुप्ता के पक्ष में स्वीकृत भंडारण स्थल का जिला प्रशासन की टीम के साथ संयुक्त रूप से ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी आकलन किया गया कि ड्रोन तकनीक से भंडारण स्थलों पर उपखनिज की कुल मात्रा का वैज्ञानिक व सटीक अनुमान कैसे लगाया जा सकता है। विशेष सचिव ने कहा कि यदि अन्य जनपद भी इस तकनीक का उपयोग करेंगे तो अवैध खनन कर किए गए भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। निरीक्षण के उपरांत विशेष सचिव/अपर निदेशक ने सर्किट हाउस, उरई में राजस्व एवं खनन विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने राजस्व प्राप्ति में वृद्धि तथा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर कड़ाई से नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भारतीय किसान यूनियन की भेंड़ में बैठक हुईं

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) भारतीय किसान यूनियन टिकैत की एक बैठक विकास खंड नदीगांव के ग्राम भेंड़ में हुई जिसमें अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष द्विजेंद्र सिंह निरंजन तहसील अध्यक्ष चतुरसिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन पचीपुरा कलां कोंच ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र पटेल परेथा आदि मौजूद रहे इस बैठक में संगठन को लेकर चर्चा की गई और किसानों की समस्याओं को सुना गया इस बैठक में ग्राम भेंड़ की यूनिट का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष पद पर दुर्गा प्रसाद उपाध्यक्ष पद पर शशिभूषण कोषाध्यक्ष पद पर लक्ष्मण सिंह कुशवाहा महामंत्री के रूप में अवनीश कुमार मंत्री राजकुमार वर्मा ट्रेक्टर प्रमुख जय पाल जशवंत सिंह प्रभारी गोविंद सूचना मंत्री बनाए गए सदस्य के रूप में भगवान दास जय प्रकाश अरविंद अंशुल मानसिंह श्यामा चरण आदि रहे इस अवसर पर बैठक में सुनील कुशवाहा सौरभ पटेल दाढ़ी रजनीश कुशवाहा भगवान दास भगवान सिंह कुशवाहा राकेश कुमार राजकुमार बृजमोहन सहित तमाम लोग मौजूद रहे

हत्या की घटना कारित करने वाले अभियुक्तगणों को आजीवन कारावास व 12,000 - 12,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी / ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान । माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री सुनील प्रसाद, सत्र न्यायाधीश बहराइच द्वारा दोषी अभियुक्तों को दण्डित किया गया । वैज्ञानिक विवेचना, अचूक साक्ष्य संकलन एवं पुलिस व लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप दोषी को मिली सजा । घटना का सक्षिंप्त विवरण- वादी मुकदमा वीरेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि दिनांक 08.10.1996 की सायं लगभग 08 बजे वादी मुकदमा वीरेन्द्र कुमार का भाई व पिता जैसे ही सुक्कापुरवा गांव के करीब पहुँचे तो अभियुक्तगण संतराम सिंह कुल्हाडी लिए हुए, अमर सिंह बांका लिए हुए, रोहित लाठी लिए हुए, शिवनाथ लाठी लिए हुए व लल्लन लाठी लिए हुए हम लोगों को मारने के लिए ललकारे कि वादी मुकदमा के पिता व राम गोपाल जान बचाओ का शोर करते हुए उनके ऊपर टार्च जलाए तब तक अमर सिंह व सन्त राम ने मेरे भाई राम निवास उर्फ भगत को बांका व कुल्हाड़ी से मारना शुरू कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई, गांव में तमाम लोगों को आता देख अभियुक्तगण वहां से भाग गए । जिसके सम्बन्ध में थाना मोतीपुर में वादी की लिखित तहरीरी सूचना के आधार पर दिनांक 08.10.1996 को मु.अ.सं 202/1996 धारा 148, 302/149 भा.द.वि. बनाम संतराम, रोहित वर्मा, अमर सिंह, शिवनाथ व लल्लन सिंह पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक उ0नि0 श्री गोपाल सिंह द्वारा साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्तगण संतराम, रोहित वर्मा, अमर सिंह, शिवनाथ व लल्लन सिंह उपरोक्त के विरुद्ध आरोप-पत्र प्रेषित कर माननीय न्यायालय द्वारा दिनाँक 04.08.2010 को आरोपों को विरचित किया गया। दोषसिद्धि का विवरण- श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन%% के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में उक्त अभियोग में माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री सुनील प्रसाद, सत्र न्यायाधीश बहराइच द्वारा मॉनिटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, प्रभारी थाना मोतीपुर, ए.डी.जी.सी. क्रिमिनल श्री सुनील कुमार जायसवाल, कोर्ट मोहर्रिर म0का0 ज्योति शर्मा थाना पैरोकार का0 सत्यम मिश्रा की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक- 18.08.2025 को दोषी अभियुक्तगण रोहित वर्मा, अमर सिंह, शिवनाथ व लल्लन सिंह उपरोक्त को आजीवन कारावास व 12,000 - ?12,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर 03-03 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी ।

संक्षिप्त समाचार

शामली धर्मनगरी में आयोजित होने जा रही है 14वां श्री कृष्णा छठी महोत्सव एवं भव्य पालकी यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली शामली धर्म नगरी में आयोजित होने जा रही है 14 वां श्री कृष्णा छठी मां महोत्सव एवं पालकी यात्रा जिसमें प्रातः 8ः00 बजे ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक एवं बधाई गायन पूजन 11ः00 बजे होगा उसके बाद यह पालकी यात्रा बैंड बाजे सुंदर-सुंदर झांकियां ढोल नगाड़ों के साथ शामली के प्रसिद्ध कुटी वाले मंदिर से चलकर शामली के मुख्य बाजारों से से होकर मंदिर प्रांगण में समापन होगा जिसमें मुख्य संरक्षक मनोज मित्तल एवं संस्थापक अध्यक्ष शिवांग गर्ग अध्यक्ष अर्पित गुप्ता महामंत्री राघव जैन कोषाध्यक्ष आकाश संगल यात्रा संयोजक शिवम संगल नीतीश संगल में अन्य भक्तगण पाल की यात्रा में शामिल होंगे यह पल की यात्रा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम के साथ आयोजित की जाएगी

ग्राम पहाडगांव में आयुष आपके द्वार के तहत कैंप का आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आयुष आपके द्वार के अंतर्गत आज सोमवार को राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय पहाड़गांव के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ भीम प्रकाश के द्वारा ग्राम पहाड़ गांव में एक कैंप का आयोजन किया गया जिसमें आधा सैकड़ा लगभग पुरुष सत्तर महिलाएं कुल नब्बे रोगियों को औष धियों का वितरण किया गया तथा संतुलित आहार व भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों के बारे में बताया गया तथा पोषक तत्वों की कमी से होने वाली बीमारि यों के बारे में जान कारी दी गई। इस कैंप मे शैलेन्द्र वर्मा वार्ड वॉय एवं जगमोहन राजपूत शिक्षा मित्र प्रमोद राजपूत नीतू शर्मा आदि तमाम ग्रामीण मोजूद रहे

गल्ला मंडी में राम लीला को लेकर बैठक हुई

क्यूँ न लिखूँ सच/ कोंच(जालौन) आज सोमवार को गल्ला मंडी में स्थित मंदिर पर इस वर्ष राम लीला के सफल आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले मंत्री विनोद दुबे लोना और कोषाध्यक्ष मुकेश सोनी चक्की वाले आदि की मौजूदगी में राम लीला समिति के अध्यक्ष पद के लिये प्रधव मिश्रा एडवोकेट और मंत्री पद हेतु आशीष कुशवाहा को सर्व सम्मति से चुना गया है इस अवसर पर राज कुमार अग्रवाल जय मुखिया हरीश तिवारी हरिशंकर लोहिया अजय गोयल सुनील अग्रवाल राहुल तिवारी जीतू राठौर राम मोहन गुप्ता नरेश लोहिया पंचम पटेल चंदशेखर लोहिया पवन लोहिया महेंद्र दिबौलिया सीता शरण गुप्ता राम मोहन तीतविलासी राकेश अग्रवाल नितिन अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Parents are buying high-tech shoes to spy on children, this way of parenting can become a problem

Nowadays parents are very worried about the safety of their children. Due to this concern, various types of gadgets have come in the market which help in keeping an eye on children. One of these are high-tech shoes with GPS. These shoes tell parents where their child is. Let's know the disadvantages of this kind of upbringing. Parents are buying high-tech shoes with GPS to monitor children. Due to constant monitoring, children may be unable to take their own decisions. The trust and support of parents is very important for their proper development. In today's digital era, the concern of parents about the safety of children is natural. Earlier, where keeping a tracking device in the lunch box or school bag was considered a big deal, now technology has gone beyond this. Now such smart products (Child Tracking Devices) have come in the market, in which the tracking devices are so hidden that children do not even know. The aim of the parents is clear - the children should be safe, whether they are in school, park or in a crowded place. This method is cheaper than a smartphone or smartwatch and is easy for children to handle, but the question is whether monitoring at all times (overprotective parenting) can have a psychological effect on children? How correct is monitoring at all times? Of course, such devices are very helpful in many situations. If a child gets lost in the crowd, goes in the wrong direction or is seen with an unknown person, then parents can immediately track his location, but this same facility can also become an interference in the personal space of children. The feeling of constant 'surveillance' can make children restless, especially when they are growing up and trying to create their independent identity. The foundation of trust can be shaken The relationship of trust between a child and a parent is very delicate. If the child comes to know that his every move is being tracked, then a feeling of rebellion can develop within him. In older children, it can also cause anger, irritation and distance from parents. Impact on self-reliance Learning small responsibilities in childhood and taking decisions on their own is important for a child's self-reliance. If a tracking device is used all the time, the child's ability to take risks, make mistakes and learn from them may be reduced. He may think at every step that "I am being watched", which can reduce his self-confidence. When and how to use it? Experts believe that such technology should be used thoughtfully. It is very useful for small children or children with special needs, but transparency is necessary with older children. It is better that parents explain to children that this device is for safety, not to take away their freedom. Balance is the solution Technology is a strong tool in the hands of parents, but it should be used wisely. As much as the safety of children is important, so is their mental development and self-reliance. If a balance is maintained between monitoring and trust, then this technology can prove to be a boon.

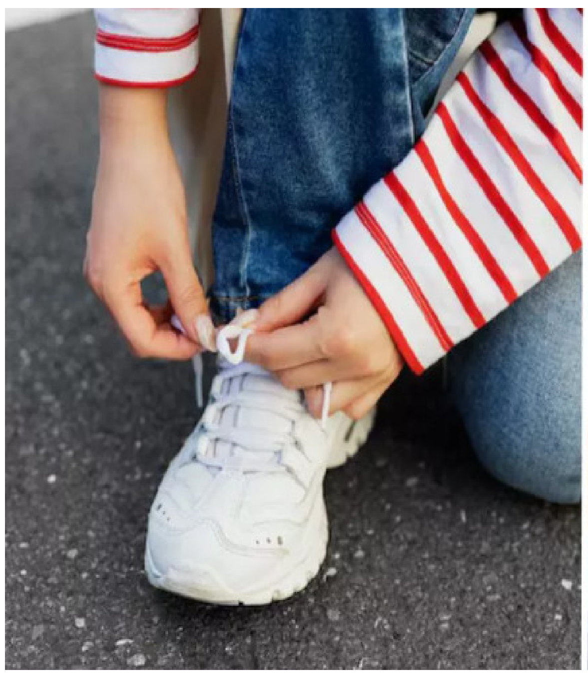

Not only semolina, papaya halwa is also very tasty; note down its easy recipe

For how many people: 4 Papaya halwa is as tasty as it is healthy. You can also use jaggery instead of sugar in it. It is very easy to make. Ingredients: Ripe papaya two cups Grated ghee four tablespoons Sugar according to taste Milk one cup Cardamom powder Cashews, almonds Chopped raisins one tablespoon Method: To make papaya halwa, first peel the papaya and remove the seeds and grate it. Now heat ghee in a pan and fry cashews and almonds in it till they become light golden. Remove them and keep them aside. After this, add grated papaya in the same ghee and fry on medium flame for five minutes, till its raw smell goes away. Now add milk to it and cook for 10 minutes while stirring. When the milk starts drying up, add sugar to it and cook while stirring continuously until the color of the halwa becomes dark and shiny. Now add cardamom powder and roasted nuts and mix well. Turn off the gas and serve the halwa hot. Do not forget to garnish it from above.

Do you know the difference between EC and CC seats of Vande Bharat train? Let's know what is their specialty

If you have ever traveled by Vande Bharat Train, then you must have noticed that there are two types of seats in it. The first is CC and the second is EC. There is a lot of difference in the fare of these two seats, but why is it so? Let's know what is the difference between them. Vande Bharat train is one of the fastest trains in India. It has two types of seats. There is a lot of difference in the fare of EC and CC seats. One of the most modern and fast trains of Indian Railways, Vande Bharat Express, is known for its comfort and convenience to the passengers. If you have ever traveled by this train, then while booking the ticket, you must have noticed that you get the option to choose EC (Executive Chair Car) and CC (Chair Car) seats. You can choose any one of these according to your need and budget, but do you know what is the difference between these two seats? If not, let's find out what is the difference between EC and CC seats. Seating Comfort and Layout Chair Car (CC) 3x2 seating arrangement i.e. 3 seats on one side and 2 on the other. The seats are ergonomic and comfortable but there is not much leg space. If you don't want too much luxury, then it is better for short to medium distance travel. Executive Chair Car (EC) 2x2 seating arrangement, which gives wider seats and more legroom. The seats can be rotated, which makes it easier to travel in groups. Better option for long journeys or business trips. Ticket price CC tickets are cheaper than EC and are better suited for budget travellers. EC fares are 50-60% more than CC as it offers more facilities. Facilities and onboard experience Features common to both: Air-conditioning Charging ports Infotainment screen Bio-vacuum toilet Extra features in EC: Rotatable seats, which makes it easier to sit in groups. Premium meal option i.e. better food options are available on some routes. Quieter and less crowded coaches. Lounge access at some stations, like big stations like Mumbai, Delhi. Coach ambiance and privacy There are more passengers in CC, so the atmosphere is a bit lively and social. There are fewer passengers in EC, which provides privacy and peace. Booking and availability There are more seats in CC, but they get booked quickly on popular routes. There are fewer seats in EC, so if you want premium comfort, book early. Which one to choose? CC is budget-friendly and best for short journeys. EC is better for those who want extra comfort and facilities on long journeys. Keeping these things in mind, you can book a seat in Vande Bharat train next time according to your need and budget.

Did you see! Emily Blunt shines in a new look, swag with blonde hair and black glasses

The Devil Wears Prada 2 The sequel of the comedy-drama The Devil Wears Prada, released in 2006, is going to be released soon. But before that, actress Emily Blunt's new look is trending on social media. After seeing Emily's look, fans have become even more excited to watch the comedy-drama. The devil wears prada 2 release date Emily Blunt's new look revealed Fans are impressed with the actress' look Actress Emily Blunt won the hearts of the audience with her look in the 2006 comedy-drama film The Devil Wears Prada and perhaps now she wants to do the same in the second part. In the first film, Emily's hair was dark red which looked very good on her and fans have liked her look a lot. This time she has tried to do something different. In fact, her new look has also come out from the set of the upcoming sequel. Emily's fans are crazy about her look Emily adopted a new bleach-blonde bob and shadow root hairstyle on the New York City set of The Devil Wears Prada 2. This new hairstyle is completely different from her character Emily Charlton, who was well-liked for her dark red hair in the original film. 'The Devil Wears Prada' is a 2006 comedy-drama film directed by David Frankel and produced by Wendy Finerman. Written by Aline Brosh McKenna, its story is based on Lauren Weisberger's 2003 novel. The film stars Meryl Streep, Anne Hathaway, Stanley Tucci and Emily Blunt in the lead roles. The film is the story of an obsessive journalist named Andie Sachs (Hathaway), who gets a job at a fashion magazine, but has to work under her stubborn editor Miranda Priestly (Streep). Anne Hathaway will reprise the role of Andie in the sequel. Hathaway, Streep, Blunt and Tucci will reprise their roles in the sequel. Lucy Liu, Justin Theroux, B.J. Novak, Pauline Chalamet, Simone Ashley, Kenneth Branagh, comedian Caleb Hearon and Broadway stars Helen J. Shane and Conrad Ricamora are also part of the cast, reports People. The Devil Wears Prada 2 is expected to release in theaters on May 1, 2026.

How did Batman enter Hollywood? The first film came 80 years ago, 10 actors became superheroes on screen

DC Universe has given many superheroes, one of which is Batman. The intelligent Batman, who saves the world, has made the audience crazy in real life by using his superpowers. But do you know where the concept of Batman came from and when did it start? Batman came after Superman 18 movies of Batman have been released Batman franchise started in the 40s Whenever it comes to superhero franchise, the name of Batman comes on people's tongue after Superman. DC Universe has given many superheroes, but Batman is something different. It is counted among Hollywood's most successful superhero movies. But do you know how Batman was made? How did Batman enter Hollywood? When did the first film come and how many actors have become Batman till now? Let us tell you about Batman in detail in this article. How did Batman become? It is about the year 1938. DC Comics introduced its first superhero, named Superman. With the arrival of Superman, the craze for superheroes increased. After this craze, Batman was created. The credit for creating Batman goes to artist Bob Kane and writer Bill Finger. Inspired by Superman, they created Batman. It was first shown in the 27th issue of the comic book Detective Comics on 30 March 1939. Who is Batman? Batman is a fictional character of DC Comics. His real name is Bruce Wayne who is very rich and lives in Gotham city. After seeing his parents being murdered in childhood, he vows to take revenge on the killers. Batman's look is inspired by bats. It has been appreciated as much as Superman. How did Batman come to Hollywood? DC Films started superhero movies and the biggest hit franchise after Superman was Batman. Batman first reached the big screen in 1943. It was produced by Columbia Pictures. Although it was released in theatres, it was episodic. A total of 15 chapters were released in theatres which used to come once a week. At that time, the character of Batman was played by Lambert Hillier and he breathed life into his character. This series was such a hit that it was re-released by Columbia Pictures in 1954 and 1962. How many stars have played the character of Batman? Till now, a total of 16 films based on Batman have been released, out of which two were episodic series which were produced by Columbia Pictures and then films started being made in the 60s. How many stars have played the character of Batman on the big screen? Here is their list...Batman films Actors who became superheroes Batman (1943) Lewis Wilson Batman and Robin (1949) Robert Lowery Batman (1966) Adam West Batman (1989) Michael Keaton Batman Returns (1992) Michael Keaton Batman Forever (1995) Val Kilmer Batman and Robin (1997) George Clooney Batman Begins (2005) Christian Bale The Dark Knight (2008) Christian Bale The Dark Knight Rises (2012) Christian Bale Batman vs Superman Dawn of Justice (2016) Ben Affleck Suicide Squad (2016) Ben Affleck Justice League (2017) Ben Affleck Zack Snyder's Justice League (2021) Ben Affleck The Batman (2022) Robert Pattinson The Flash (2023) Michael Keaton The Batman Part 2 (Upcoming, 2027) Robert Pattinson

Keep Hanuman Chalisa with you and watch this 1 hour 40 minute horror thriller, the film has become a must watch on OTT

No matter how scared you get after watching horror films, the craze for them is very high among the audience. We are going to tell you about a horror film, while watching which you will not only have to keep Hanuman Chalisa with you, but wherever you turn your head, it will seem that she is standing. Wherever you turn your head, that girl's gaze will increase the level of fear. This dangerous film is currently creating havoc on the OTT platform. Apart from horror, if there is any genre that the audience likes the most, then it is horror. Even if they have to watch ghosts with one eye closed, they do not get up until they finish the whole movie. If you have not seen any good horror film for a long time after The Conjuring and The Exorcist, then do not take tension at all. Today we are going to tell you about a film full of horror and mysteries, to watch which you will have to keep Hanuman Chalisa with you. If you don't do this, then after the movie ends, you will see only that one girl everywhere. What is the story of this horror film and on which OTT platform you can watch it immediately, let us tell you. You will sweat out of fear in the last 40 minutes. The horror film we are talking about is the story of two female friends. The story of the movie begins with a girl who goes to the salon to get her hair cut, when the parlor lady is going to keep her hair with her, the girl asks for her cut hair and the woman tells her that dead hair should not be kept. The girl gets a little scared. When the girl's friend comes, she goes with her to see the mask event in Indonesia. When it is too late at night, a boy comes out to drop the girl home, who is a friend of Leena's friend. When both of them go on the way, suddenly a bike gang attacks 'Veena' and her friend. A boy beats Veena so badly that her hands and legs are broken and she dies. Her mother buries her after her death, but Veena's soul keeps wandering. How does Veena take revenge for her death by becoming a spirit in 7 days and why does that man present in the bike gang kill Veena, to know this mystery you will have to watch the film 'Veena Ke Woh 7 Din'. When and on which OTT platform can you watch the movie? While watching this entire movie, you may feel a little bored in the beginning, but in those last 40 minutes, not only will you feel scared, but you will also get angry at the rape that happened to the girl. This is an Indonesian film, which was released in theaters in 2024 and rocked the box office. If you also want to watch this horror movie full of mystery, then you can watch it on Jio Hotstar. This is a story inspired by a real life incident.